राष्ट्रभाषा हिंदी

राष्ट्रभाषा किसी भी देश में सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा होती है। राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने में, राष्ट्रभाषा अत्यंत सहायक होती है। अनेक भाषाओं का ज्ञान होने पर भी अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए, राष्ट्रभाषा ही सबसे सशक्त माध्यम है। हमारे देश की राष्ट्रभाषा हिंदी है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 में हिंदी भाषा को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। हिंदी, भारत के विस्तृत क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा है। यह एक सरल, सुबोध एवं वैज्ञानिक भाषा है। इसकी लिपि देवनागरी है। हिंदी भाषा का साहित्य अत्यंत समृद्ध है। विश्व की अनेक भाषाओं में, हिंदी की अनेक रचनाओं का अनुवाद हो चुका है। इसी प्रकार, विश्व की सर्वश्रेष्ठ कृतियों का हिंदी में भी अनुवाद हो चुका है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम हिंदी के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाएँ। इसकी उन्नति में सहयोग दें। किसी भी भाषा का प्रसार नारों व उसके राजनीतिकरण से नहीं होता, वह परिश्रम और धैर्य से होत है। हिंदी निदेशालय, नागरी प्रचारिणी सभा जैसी अनेक संस्थाएँ हिंदी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।